GENERAL STUDIES (Test–5)

Time allowed: Three Hours

DTVF/23 (J-A)–M–**GSM (P-III)-2305**

Maximum Marks:250

Name: Jatin Kumar **Mobile Number: _____**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number: _____**

Center & Date: Online – 18.07.2023 **UPSC Roll No. *(If allotted)*: _____**

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

(To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	5	11.	6
2.	4.5	12.	6.5
3.	5	13.	8
4.	4	14.	7
5.	4	15.	7.5
6.	3.5	16.	8
7.	4.5	17.	9
8.	5	18.	6.5
9.	3.5	19.	6.5
10.	5.5	20.	6
Grand Total	115.5		

Evaluator (Signature)

Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency
2. Introduction Proficiency
3. Content Proficiency
4. Language/Flow
5. Conclusion Proficiency
6. Presentation Proficiency

→ सभी प्रश्नों को उत्तर के साथ लिखें

→ भाषा प्रवाह अच्छी है

→ प्रस्तुतीकरण के स्तर पर संतोषप्रद प्रयास

→ निबन्ध की संरचित तथा प्रणाली बनाएं।

→ उत्तर के सभी आयामों को पूर्णता से लिखें

प्रश्न के साथ उत्तर लेखन अनुपस्थित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

GS (TEST-5)
GSM (P-III) -2305

दिनांक 18.07.2023

U.P.S.C.

प्रश्न संख्या (Question No.)

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

Q. 1.

लैंगिक हिंसा से तात्पर्य ऐसी हिंसा से है जिसका आधार लिंग होता है। सामान्यतः यह महिलाओं के प्रति हिंसा से सम्बन्धित है।

लैंगिक हिंसा के प्रति प्रावधान :-

1. घरेलू हिंसा (रोकथाम) अधि., 2005
2. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम) अधि., 2013
   ↓
   विशाखा गाईडलाइन्स
3. दहेज (निरोधक) अधि. - 1961
   ↓
   दहेज लेना व देना कानूनी अपराध घोषित
4. उज्ज्वला योजना - प्रताड़ित एवं वाणिज्यिक लैंगिक अपराधों से ग्रसित महिलाओं को सहायता
5. स्वाधार गृह - महिलाओं को मानवीय गरिमा से रहने का अधिकार
6. वन स्टॉप सेन्टर
7. महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति
8. निर्भया फंड

इन योजना को विश्लेषित भी करें

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

लैंगिक हिंसा में कमी नहीं आने के कारण -

लगभग 35% महिलाएँ किसी न किसी रूप में लैंगिक हिंसा की शिकार हो रही हैं। इसके निम्नलिखित कारण हैं -

1) महिलाओं के प्रति समाज के नजरिए एवं सोच में बदलाव नहीं हो पाना
2) महिलाओं को केवल object या Commodity मानना
3) कानूनों की जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में असफलता
4) महिलाओं का निम्न प्रतिनिधित्व - लोकसभा में 15% विधानसभाओं - 9%
5) पुलिस की असंवेदनशीलता
6) हिंसा को निजी मामला समझना

लैंगिक हिंसा व्यापक तौर पर सामाजिक मुद्दा है, जिसे सामाजिक + प्रशासनिक एवं व्यावहारिक सोच से समाप्त किया जा सकता है।

अगर महिलाएँ अच्छा करती हैं, तो अर्थव्यवस्थाएँ अच्छा करती हैं।

- क्रिस्टिना लगार्डे

अपेक्षित सुधार की भी चर्चा कर सकते हैं

5/10

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

2

भारतीय मानसून जून - सितम्बर के मध्य उत्पन्न होने वाली परिघटना है जिसमें पवनों का मौसमी Reversal देखने को मिलता है।

El-Nino पश्चिमी (द०) अमेरिका के पेरू तट (पूर्वी प्रशान्त महासागर) में गर्म जलधारा द्वारा ठण्डी पेरू धारा का प्रतिस्थापन है, जिसके प्रभाव प्रशान्त महासागर एवं भारतीय मानसून पर देखने को मिलते हैं।

प्रक्रिया में जल-वायु घटना की चर्चा

सामान्य अवस्था

El-Nino

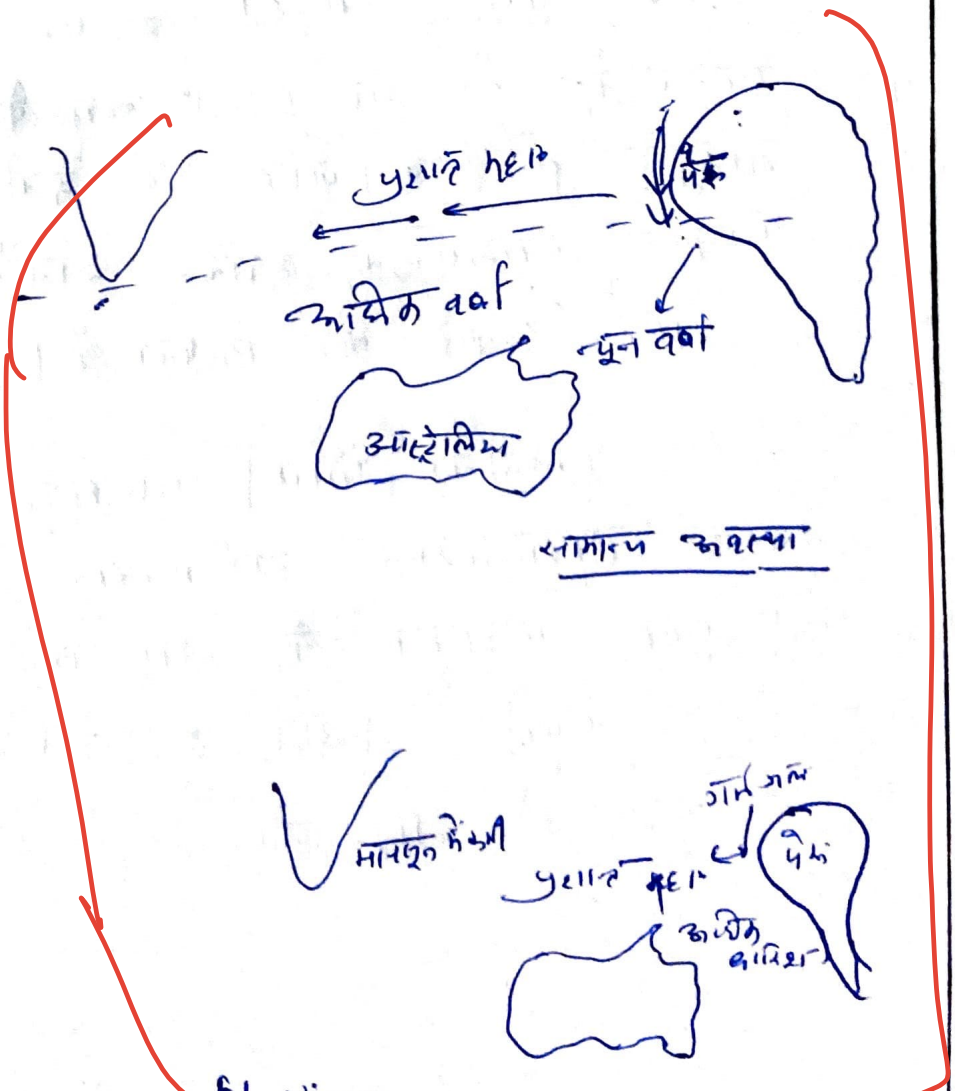

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में न लिखें (Don't write in this part)

El Nino के भारतीय मानसून पर प्रभाव -

1) El-Nino के कारण बारिश पूर्वी प्रशान्त क्षेत्र तक सीमित रह जाती है।

2) एल नीनो मुख्यतः दिसम्बर के समय होने वाली परिघटना है।

3) एल नीनो रहित अवस्था (सामान्य) में ~~ठण्डी~~ गर्म जलराशी पश्चिम की ओर प्रतिस्थापित होती है एवं ठण्डी जलराशि अपवेलिंग द्वारा पेरू तट पर आती है जिससे हिन्द महासागरीय क्षेत्रों के वर्षा में वृद्धि होती है।

4) एल नीनो की परिघटना भारतीय मानसून को कमजोर कर देती है जिसका सामाजिक आर्थिक राजनैतिक प्रभाव देखने को मिलता है।

एलनीनो मौसमी परिघटना है जिसका समयान्तराल अनिश्चित है एवं अभी पूर्ण अध्ययन एवं व्याख्या सम्भव नहीं हो पायी है। अतः इसे पूर्ण रूप से समझने की आवश्यकता है।

भारत में अकाल मानसून
Heat wave
जल संकट और बाढ़ अनियमित्तता
उत्तर के कमी
आयामों को
तथ्य से
उत्तर को
लगाएँ
संकेत बनाएं
और प्रभावी
4.5/10

समान नागरिक संहिता (UCC)

से तात्पर्य सभी लोगों के लिए एक समान नागरिक नियमों (सिविल कोड) की उपस्थिति है अर्थात् सभी धर्मों के लिए एक ही सिविल कोड एवं विवाह, गोद लेना, तलाक, सम्पत्ति हस्तांतरण आदि सम्बन्धी समान नियम।

UCC के पक्ष :-

1) भारत की एकता व अखण्डता।
↓
भारत विविधता में एकता परिलक्षित

2) सभी लोगों को समान अधिकार
↓
समान संवैधानिक अधिकार एवं महिला सशक्तिकरण

3) राज्य को DPSP के अन्तर्गत अनु. 44 के तहत UCC लागू करने के अधिकार

4) न्यायालय पर भार में कमी
सभी धर्मों पर एक जैसे नियम-कानून

5) भारतीय धर्मनिरपेक्षता
↓
राज्य को सकारात्मक हस्तक्षेप का अधिकार

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write in this ...)

UCC के विपक्ष में –

1) धर्म को मानने सम्बन्धी मूल अधिकार– अनु. 25, अनु. 26, 27 एवं अनु. 28

2) भारत की धार्मिक विविधता को खतरा → सभी धर्म एक समान नियम का पालन करेंगे

3) जनजातियों के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप → इनके विवाह सम्बन्धी कानून भिन्न

4) विवाह के साथ अन्य कानून जैसे तलाक, सम्पत्ति हस्तांतरण आदि में परिवर्तन

5) प्रभावित लोगों द्वारा विरोध → क्रियान्वयन में समस्या

2nd ARC के सुझाव के अनुसार UCC न तो आवश्यकता है और न ही समय की माँग। फिर भी भारत की विविधतापूर्ण ऐतिहासिक विरासत को ध्यान में रखकर सर्वपक्षीय रूप से UCC को स्वैच्छिक लागू करने पर विचार किया जा सकता है जैसे गोवा

Good

UCC के सकारात्मक तथा नकारात्मक बिन्दुओं को प्रस्तुत करें। समाधान को भी अपेक्षित चर्चा करें।

5/15

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

4

भारत का स्वतंत्रता संग्राम अंग्रेजों की सत्ता के विरुद्ध स्वशासन स्थापित करने एवं पूर्ण अधिकारों की माँग थी।

1857 की क्रांति → 1885 में कांग्रेस का गठन
↓
1916 में होम रूल लीग
↓
1920 में असहयोग व खिलाफत आन्दोलन → 1930 में नागरिक अवज्ञा आन्दोलन
↓
1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन → 1947 स्वतंत्रता

1905 में स्वदेशी आन्दोलन →

स्वदेशी आन्दोलन की भूमिका :-

1) कर्जन द्वारा 1905 में बंगाल का विभाजन - बाँटो और राज करो की नीति

प० बंगाल, बंगाल, बिहार } पूर्वी बंगाल असम ; बांग्लादेश

2) लोगों की भावनाएं आहत हुई
3) मुस्लिम - हिन्दू संगठन व एकता देखने को मिली
4) मुस्लिम - हिन्दुओं ने आपस में राखी बाँधी

स्वदेशी आंदोलन की ऐतिहासिक चर्चा

स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी आंदोलन का महत्व
↓
आत्मनिर्भरता पर बल
→ राष्ट्रीयकरण को प्रभावी

5) रविन्द्रनाथ टैगोर ने आमार - सोनार - बंगला लिखा।

6) राष्ट्रीयता की भावना का उभार हुआ

7) स्वदेशी आन्दोलन के बाद 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना

आंदोलन की कमियाँ -

1) असंगठित - कोई सशक्त नेतृत्वकर्ता नहीं

2) पूर्ण भागीदारी नहीं - केवल सीमित क्षेत्र बंगाल, बिहार तक प्रतिक्रिया

3) अनेक बुद्धिजीवी वर्गों एवं प्रिन्सली स्टेट्स द्वारा अंग्रेजों का सहयोग

4) जनसमर्थन सपोर्ट प्राप्त नहीं

अंग्रेजों द्वारा प्रशासनिक कारण दिये जाने के फलस्वरूप बंगाल का विभाजन किया था। स्वदेशी आन्दोलन ने जिस वाले अनेक आन्दोलन के लिए उपजाऊ जमीन तैयार कर दी थी जहाँ 1947 में स्वतंत्रता उपजनी थी।

U.P.S.C.

5. समुद्री संसाधन से आशय उन संसाधनों से है जो समुद्र में पाये जाते हैं।

समुद्री संसाधन भारत की स्थिति का उल्लेख दें

समुद्री संसाधन

- जैविक संसाधन
  - पौधे — फाइटोप्लैंक्टन
  - जीव — जूप्लैंकटन
- अजैविक संसाधन
  - खनिज संसाधन → ताँबा, जस्ता, पॉलीमेटेलिक नॉड्यूल्स
- ऊर्जा संसाधन
  - तेल, प्राकृतिक गैस

SDG के लक्ष्य के संदर्भ में भी व्याख्या कर सकते हैं

अर्थव्यवस्था में योगदान :-

1) पर्यटन व्यवस्था - संसाधन पर्यटन को महत्व देते हैं एवं सौन्दर्य बोध कराते हैं, जैसे - कोरल रीफ

2) खनिज संसाधन — 200 नॉटिकल मील तक समुद्र क्षेत्रों को राष्ट्रों द्वारा खोज के लिए प्रयोग किया जाता है → ताँबा, जस्ता, सोना जैसे महत्वपूर्ण खनिज एवं पॉलीमेटेलिक नॉड्यूल्स की प्राप्ति

Good

3) ऊर्जा संसाधन - बढ़ती हुई ऊर्जा माँग → समुद्री ऊर्जा की ओर अग्रसर → ज्वारीय ऊर्जा, प्राकृतिक गैस, तेल संसाधन

4) मत्स्य संसाधन – नजदीकी मछुआरों द्वारा मछलीपालन एवं उनका उपयोग, निर्यात, क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था एवं GDP में योगदान

5) कोरल रीफ, सी वीड – प्राकृतिक जैव-विविधता

आर्थिक उपयोग ← जीव एवं पादप जातियों की आश्रय स्थल

6) UNCLOS द्वारा High sea के भी देशों को संसाधन प्राप्त करने के अधिकार – जैसे – भारत को 75000 किमी² क्षेत्र का अधिकार

7) O-TEC – Ocean thermal Energy Conversion

अतः समुद्री संसाधन ना केवल आर्थिक रूप से बल्कि सामरिक-राजनैतिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के महत्वपूर्ण निर्धारण करता है।

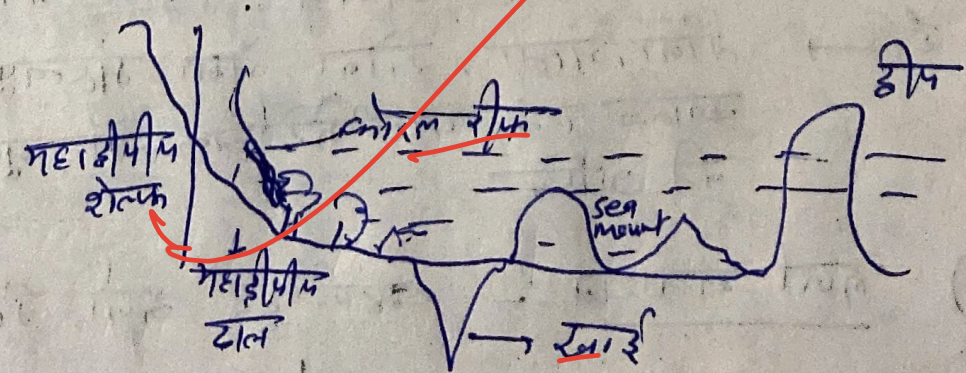

4/10

श्न संख्या
uestion No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

6

वायु के द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण से निर्मित स्थलाकृति वातज स्थलाकृतियाँ कहलाती हैं। वर्षण की न्यूनता के कारण ये मरुस्थलीय क्षेत्रों में अधिक प्रभावी होती हैं।

भूमिका प्रासंगिक है

वायु द्वारा अपरदन से –

पवन द्वारा शैलों को अपरदित करने के

↳ अपवाहन

↳ अपघर्षण

सन्निघर्षण

1) मशरूमरॉक -

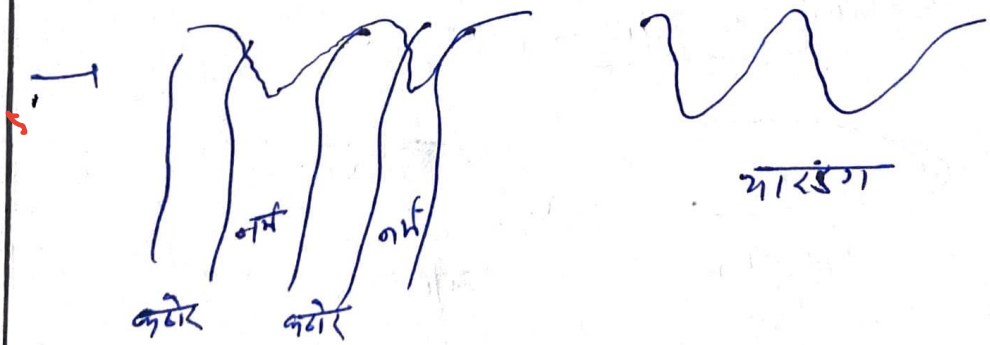

वायु द्वारा चट्टान को जड़ से काटने की कोशिश से मशरूम रॉक - निर्मित (अपरदन)

2) यारडंग

3) ज्यूजेन

कठोर चट्टानों पर कम प्रभाव

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

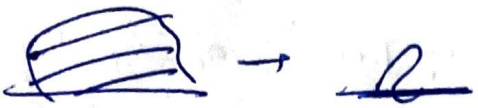

4) ~~xxx~~ इन्सेलबर्ग - अत्यधिक कटाव से किसी चट्टान का अपरदित स्थलरूप में परिवर्तन

निक्षेपण स्थलाकृतियां -

1) बालुका स्तूप - अन्य क्षेत्रों से अपरदित मृदा वायु द्वारा बालुका स्तूप में एक जगह निक्षेपित हो जाती है।

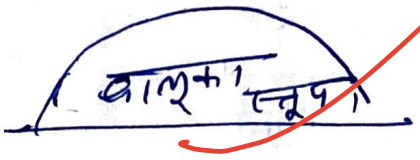

2) लोएस - मृदा को वायु द्वारा किसी जलराशि के नजदीक स्थान कर देना

3) बरखान व सीफ -

मृदा एक प्रभावी कारक है जो स्थलाकृतियों में स्थायी परिवर्तन ला सकता है।

3.5/10

स्थलरूप पवन

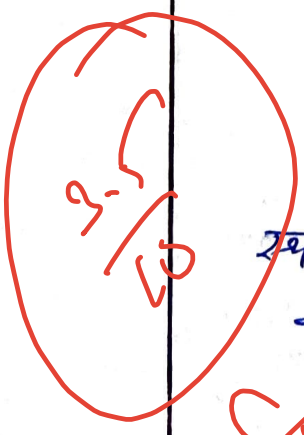

विभिन्न निर्मित अपरदित की चर्चा करें।

7. फुटलूज उद्योग वे उद्योग हैं जिनका स्थापना उनके कच्चे माल की उपलब्धि पर निर्भर नहीं करता है. प्लास्टिक टेक्सटाइल उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आदि।

कारकों प्रासंगिकता

पिछड़े क्षेत्रों के विकास में योगदान -

1) गरीबी से लड़ना संभव
2) बेरोजगारी में कमी
3) स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार
4) परिवहन सुविधा एवं कनेक्टिविटी में विस्तार
5) आपसी संचार एवं परस्पर भ्रातृत्व बढ़ेगा
6) महिला सशक्तिकरण
7) समावेशी विकास
8) अधिकारों के प्रति जागरूकता
9)

अधिक बचत → आर्थिक वृद्धि → मांग → उत्पादन → अधिक वेतन → अधिक बचत

फुटलूज के अन्य बिन्दुओं जैसे प्राथमिक क्षेत्रों पर कम निर्भरता, रोजगार के अवसर, बुनियादी ढांचे में निवेश, निर्धनता↓

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

आलोचना -

1) श्रमिकों का शोषण सम्भव
2) बीमारी एवं कुपोषण जैसी समस्याऐं
3) महिला एवं पुरुषों के मध्य में वेतन भिन्नता सम्भव
4) बाल श्रम को प्रोत्साहन जैसे - बीड़ी उद्योग एवं बाल शोषण में वृद्धि
5) आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप सम्भव
6) पर्यावरण प्रदूषण - मृदा प्रदूषण, जल की गुणवत्ता में गिरावट आदि
7) काम के घंटों का निर्धारण → अधिक कार्य के प्रति लोगों में संवेदनशीलता नहीं

अतः फुटलूज उद्योगों की स्थापना के साथ-साथ प्रभावी क्रियात्मक उपाय एवं मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

बिन्दुओं को उदाहरण सहित प्रस्तुत करें

4.5/10

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

8 रूस में जार के साम्राज्य को साम्यवाद में परिवर्तित किया गया। रूस में दो क्रांतियां हुई - 1905 एवं 1917।

1917 में हुई क्रांति अक्टूबर क्रांति कहलाती है।

अक्टूबर क्रांति के कारण -

1) श्रमिकों की दयनीय स्थिति

मार्क्स → श्रमिकों को सत्ता पर नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

2) नेतृत्वकर्ता - लेनिन के नेतृत्व में लोगों ने Duma के खिलाफ विद्रोह कर दिया

3) जापान के साथ संघर्ष - मन्चुरिया प्रान्त को लेकर

4) Minshevik प्रारम्भ में लोकतांत्रिक थे किन्तु बाद में Aristocracy अपनाने लगे

5) सत्ता एवं संसाधन केवल कुछ लोगों के हाथ में सीमित

6) कुपोषण एवं भुखमरी

भूमिका में रूस की क्रांति की चर्चा उपरान्त (अक्टूबर क्रांति) करें।

→ Old घोषणापत्र की मान्यता को बनाए रखने की विफलता

→ भूमि सुधारों की विफलता

→ सरकारी दमन आदि

रूस में शासन का नया स्वरूप -

1) लेकिन नए नेतृत्व के रूप -

श्रमिकों के स्थान पर किसी को सत्ता स्थापित करनी होगी एवं उसकी ओर से शासन करना होगा।

2) साम्यवाद :-

प्रथम बार साम्यवाद का धरातलीय स्वरूप देखा गया

3) संसाधनों पर सरकार का नियंत्रण -

सभी संसाधन सरकार के अधीन लाये गये

↓

लोगों के कार्य करना → क्षमता अनुसार

↓

आवश्यकता अनुसार सभी को भोजन, कपड़ा, मकान

नये रूस की साम्यवादी सरकार केवल विचारों में ही कुशल थी, जबकि धरातल पर इसके प्रभाव वास्तव में शोषणकारी सिद्ध हुए एवं धीरे-धीरे रूस से साम्यवाद अपने विभिन्न रूप में परिलक्षित हुआ।

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

9. राष्ट्रकूट भारत में चालुक्यों के सामंत के रूप में थे जिन्होंने दंतिदुर्ग के नेतृत्व में चालुक्य राजा को हराकर अपना साम्राज्य स्थापित किया।

राष्ट्रकूटों का भारतीय वास्तुकला में योगदान :-

1) मंदिर निर्माण की वेसर शैली- नागर व द्रविड़ शैली को मिलाकर वेसर शैली का प्रतिरूप

2) लोक कला में योगदान

3) मंदिरों के निर्माण में पंचायतन शैली का प्रयोग

4) मंदिरों की दीवारों पर साज-सज्जा को प्रोत्साहन

5) सर्व धर्म समभाव की नीति — सभी के लिए मंदिर

राष्ट्रकूटों ने भारत की धर्मनिरपेक्षता को जीवित रखकर स्थापत्यकला में योगदान दिया।

राष्ट्रकूट नेतृत्व और संक्षिप्त वास्तुकला में परिचय की चर्चा करें

एलोरा कैलाश मंदिर तथा गुफाओं की चर्चा

चित्रों और विस्तार दें

3.5/10

10

गाँधीवादी राजनीतिक दर्शन

- अहिंसा
- सत्य
- प्रेम
- प्रतिरोध
- स्वदेशी
- गाँव
- अस्पृश्यता का विरोध

गाँधी का भारत मुक्ति संघर्ष में योगदान

1) अहिंसा →
   - सविनय अवज्ञा आंदोलन
   - असहयोग आन्दोलन
   - चम्पारण सत्याग्रह
   - अहमदाबाद मिल स्ट्राइक
   - खेड़ा सत्याग्रह

2) स्वदेशी →
   - स्वशासन की भावना
   - खादी का प्रचार
   - विदेशी वस्त्रों की होली
   - कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन
   - लोगों में आत्मविश्वास व गर्व का भाव

3) सत्य → सत्य के साथ अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी
   ↓
   हमेशा सत्यनिष्ठा के पक्ष पर

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

4) अस्पृश्यता का विरोध -
- डॉ. अम्बेडकर से विरोध
- जातिगत राजनीति मे विश्वास नहीं
- दलितों द्वारा स्वतंत्रता आन्दोलन के योगदान

5) सर्व-समावेशी → श्रमिकों का योगदान
- किसानो → चम्पारण सत्याग्रह
- महिलाओं का साथ
- बारडोली सत्याग्रह में सरदार पटेल को नेतृत्व करने को कहा
- जनजातीय लोगों का साथ

6) कुटीर व लघु उद्योगो का विकास
7) साम्राज्यवाद का विरोध
8) धर्म व उपासना पर जोर

गाँधी सभी धर्म, समुदाय व वर्गों को साथ लेकर चलने वाले पुरुष थे जिन्होंने विरोधी तर्क रखने वाले लोगों जैसे - भगतसिंह, डॉ. अम्बेडकर के साथ मिलकर कार्य किया एवं स्वतंत्रता आन्दोलन को मजबूत किया।

वैचारिक मतभेद विरोध नहीं

विश्लेषणपूर्ण व्याख्या अपेक्षित।

5.5/10

न संख्या
estion No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

(11)

भारतीय समाज.

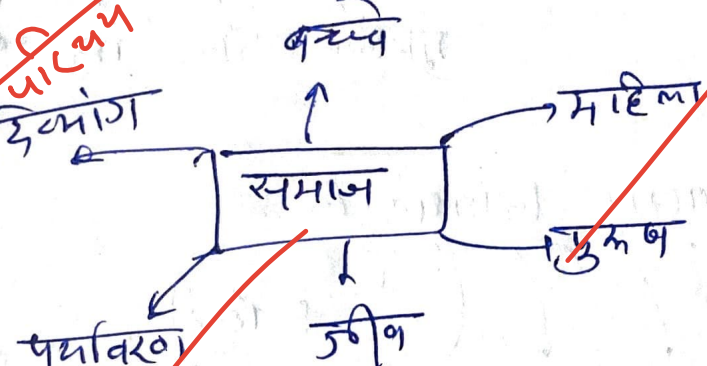

समाज से आशय सम्बन्धों का एक बदलता जाल है जहाँ व्यक्ति एक मूलभूत इकाई है। — RM मैकाइवर

विषयानुकूल भारतीय समाज परिचय दीजिए।

भारतीय समाज की विशेषताएं —

- जाति प्रथा का अस्तित्व
- विभिन्न धर्म — सर्वधर्म समभाव
- संयुक्त परिवार → एकल परिवार में परिवर्तन
- उदारता — विभिन्न आक्रांताओं को स्वयं में समावेश
- व्यक्तिवाद एवं समूहवाद का समावेश

↓ स्वतंत्रता, समानता

↓ धर्मनिरपेक्षता

स्पष्टता का अभाव

बिन्दुओं के मध्य में स्पष्टता का अभाव

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

निरंतरता एवं परिवर्तन में योगदान देने वाले कारक :-

1) धार्मिक कारण :-
→ विभिन्न धर्मों का समावेश।
मुस्लिम, जैन, हिंदू, बौद्ध, ईसाई

2) भाषागत विविधताएं -
→ हिन्दी
→ अंग्रेजी
→ तमिल, मराठी, बांगला, तेलुगु, कन्नड़

3) समय के साथ परिवर्तन -
- संयुक्त परिवार → एकल परिवार
- पश्चिमीकरण
- नगरीकरण
- भूमण्डलीकरण
- लिव इन का बढ़ता प्रचलन
- समलैंगिक सम्बन्धों को कानूनी मान्यता - नवतेज जौहर केस

कंटेंट प्रस्तुत
को व्यवस्थित
अपेक्षित

भारतीय समाज के निरंतरता में योगदान देने वाले कारकों - परंपरा, धर्म, उदाहरण सहित की चर्चा करें

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

4) राजनैतिक कारण -

- क्षेत्रीय मुद्दों को प्रोत्साहन
- सर्व - क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम
- असमानता को समाप्त करने के प्रयास

5) सामाजिक कारण -

- भ्रातृत्व एवं एकता की भावना
  ↓
  सामाजिक पूंजी
- महिलाओं की भूमिका
  ↓
  घरेलू कार्य → रोजगार में अवसर
  → चयन में भूमिका
  → सशक्तिकरण

भारतीय समाज सदियों से अनेक तरीके के परिवर्तनों से बना है एवं लगातार परिवर्तित हो रहा है किन्तु इसकी विशेषताएँ नहीं हैं।

भारतीय समाज के परिवर्तन में योगदान देने वाले कारक

(i) शहरीकरण / आधुनिकीकरण / औद्योगीकरण

→ राजनीतिक कानूनी सुधार

→ शिक्षा जागरूकता

→ Social Media

6/15

(12)

भारत ने प्राचीनकाल से ही विदेशी आक्रांताओ के आक्रमण का दंश झेला है। समय-समय पर विदेशी इतिहासकार भी भारत आये, उन्होंने भारतीय इतिहास को लिखने का प्रयास किया जिसके लाभ व हानि नजर आते हैं।

विदेशी वृत्तांतों से लाभ—

1) धननंद — सिकन्दर का आक्रमण
↓
दिनांकित रिकॉर्ड्स की प्राप्ति
↓
समय एवं उससे सम्बन्धित घटनाओं का वर्णन

2) ह्वेनसांग — हर्ष के समय भारत आया
→ हर्ष के राज्य का विस्तृत वर्णन

- राज्य सत्ता के बारे में मालूम
- लोगों की स्थिति के बारे में
- नालन्दा विश्वविद्यालय का वर्णन

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

3) फाहियान – चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में
- सामाजिक स्थिति का वर्णन
- विकेन्द्रीकृत शासन प्रणाली का वर्णन

4) बदायूंनी व बरनी → इतिहासकारों ने खिलजी एवं तुगलक साम्राज्य एवं राजा के शासन से परेशान जनता का वर्णन

5) फ्रेंकोइस बर्नियर → मुगल काल का वर्णन

6) जीन बाप्टिस्ट टेवर्नियर → [illegible] का वर्णन

- राज्य की आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक स्थिति
- जनता पर लगाये गये कर, उनकी स्थिति
  - हलक
  - मजदूर
  - महिलाओं
  - गुलाम
  - सैनिक

शिक्षण संस्थानों का वर्णन

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

विदेशी वृत्तांतो से हानियां -

1) भारत के विरुद्ध लिखे गये वृतांत

2) जानबूझकर अथवा राजा के दबाव मे लेखन कार्य

3) जनता को हमेशा पीड़ित एवं शासक को क्रूर दिखाया

4) समयानुरूप दिनांकित प्रतिलिपिया नही

5) उपलब्धता नही → समय के अनुसार ताड़ पर लिखी गयी प्रतिलिपि नष्ट हो गयी।

कुछ भी हो लेकिन इन विदेशी वृत्तांतो ने भारत के इतिहास का आधार हमें दिया है जिसके आधार पर भारतीय इतिहासकारों ने भारत के इतिहास की रचना की है।

अस्पष्ट बिन्दु

→ भारतीय समाज की स्पष्ट छवि नहीं

→ पूर्वाग्रह/पक्षपात

→ सीमित विषय क्षेत्र

6.5/15

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

(15) जलवायु मे तापमान वृद्धि को 'जलवायु ऊष्मन' कहते हैं।

भूजल स्थिरता

- भौमि जल की उपलब्धता
- भौमजल की गुणवत्ता
- भौमजल की निरंतरता

भूजल में कमी के विभिन्न कारण –

- पृथ्वी पर उपलब्ध जल का सर्वाधिक भाग महासागरों में
- स्वच्छ जल ग्लेशियर में एवं भौमजल सर्वाधिक
- अत्यधिक निष्कर्षण –

PB, HR जैसे राज्यो में (लगभग 100%)
↓
कृषि सिंचाई की चुनौतियां
↓
अत्यधिक भूजल निष्कर्षण
↓
भूजल में कमी

- सरकारी सब्सिडी –

विद्युत पर सब्सिडी
↓

ऊष्मन को जलवायु अनुकूलन के परिप्रेक्ष्य में बताएं और भिन्न विभिन्न पहलुओं की चर्चा करें।

विद्युत की खपत अधिक
↓
अधिक भूजल का प्रयोग
↓
भौमजल में कमी

3) बढ़ती जनसंख्या –

जनसंख्या में अधिकता (भारत 130 cr.)
↓
पीने व अन्य कार्यों के लिए
अधिक भूजल आवश्यक
↓
भौमजल में कमी

4) रिचार्ज की कमी –

कंक्रीट युक्त शहरीकरण
↓
भौमजल का रिचार्ज नहीं
↓
भौमजल में कमी

5) असतत उपयोग एवं आसान पहुँच :–

एक बार ही प्रयोग
↓
आसान पहुँच
↓
तुरन्त आपूर्ति
↓
भौमजल की कमी

Good

न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

भौमजल की चुनौतियों का सामना करने हेतु सरकारी पहलें -

1) पर ड्रॉप मोर क्रॉप -
बारिश की प्रत्येक बूंद का समुचित उपयोग सुनिश्चित

2) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना -
हर खेत को जल
स्प्रिंकलर व बूंद सिंचाई

3) जल जीवन मिशन - हर घर तक 2022 के अंत तक नल के माध्यम से जलापूर्ति

4) एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम

5) वन वाटर अप्रोच

6) नदी जोड़ो परियोजना - केन-बेतवा लिंक

भौमजल कृषि व मानव के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। अपने व्यवहार में परिवर्तन करके एवं कानूनों के पालन द्वारा भौमजल के सतत उपयोग एवं धारणीय उपयोग की आवश्यकता है।

निष्कर्ष के साथ ... तथा संवैधानिक प्रावधान ... भौगोलिक

8/15

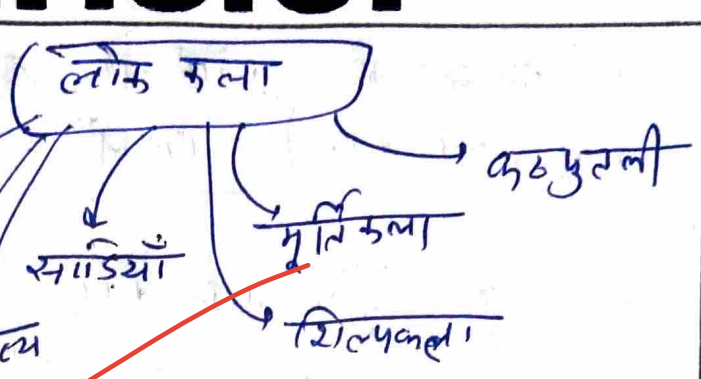

प्रश्न संख्या
(Question No.) 15

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

लोक कला
- कठपुतली
- मूर्तिकला
- शिल्पकला
- साड़ियाँ
- हस्तशिल्प
- नृत्य
- चित्रकला

भारतीय लोककला की ऐतिहासिक चर्चा करें

c) लोक कला से सम्बन्धित समस्याएँ -

1) शहरीकरण -
- व्यक्ति के पास समय की कमी
- स्वयं तक सीमितता

2) भूमंडलीकरण -
- इंटरनेट का बढ़ता प्रभाव
↓
लोगों की ऑनलाइन प्रवृत्ति

3) कौशल विकास नहीं हो पाना

4) अनुभव को साझा करने के अवसरों की कमी

5) लोगों की परिवर्तित मानसिकता

6) सीमित उपलब्धता -
↓
कुछ सीमित परिवार

उत्तर के प्रथम भाग में अर्थव्यवस्था तथा लोककला को संबंधित करें

(उपाय) आसान किस्तों पर स्थानीय कला को बढ़ावा

एकीकृत करने के उपाय -

1) इंटरनेट का उपयोग -

- ऑनलाईन कौशल प्रदान करने के
- लोक कला को हाट पर प्रदर्शित करने की सुविधा
- विभिन्न समान लोगों से जुड़ने के अवसर - सोशल मीडिया ग्रुप आदि

2) कौशल विकास कार्यक्रम -

- वर्तमान युग के साथ समन्वय की आवश्यकता
- आवश्यकतानुसार परिवर्तन

Eg. USTAAD योजना

3) अवसरों की उपलब्धता -

- लोक कलाओं के लिए
- अन्तर्विभागीय सहयोग
- स्थानीय स्तर पर मेलों का आयोजन

- पुरस्कार वितरण कार्यक्रम
- मंच प्रदान करना

5) सब्सिडी एवं इन्सेन्टिव -

- नयी मशीनों एवं नये उपकरणों तक पहुँच के लिए सब्सिडी
- प्रारम्भ में जागरूकता, सब्सिडी एवं मेंटर की जरूरत

6) तकनीकी रूप से सहायता -

- उपलब्ध तकनीकों जैसे ड्रोन
- फ्लिपकार्ट, अमेजन से सहयोग स्थापित करना
- ऑनलाईन सर्विस डिलीवरी

बिहार की मंजूषा हो या राजस्थान की बन्नी-ठन्नी सभी आज कुछ सीमित क्षेत्रों में ही सिमटकर रह गयी है। अतः हमें "सकारात्मक परिवर्तन द्वारा इन्हें संरक्षित करने एवं इन्हें आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

7/15

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

15

जनजातियाँ
↓
- विविध भौगोलिक क्षेत्र
- विविध संस्कृति
- मुख्य भूमि से संवाद में शर्म आना

जनजाति स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की चुनौतियाँ –

1) स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बुनियादी ढाँचे का अभाव -

- अत्यन्त न्यून PHC/CHC
- जिला अस्पतालों से अधिक दूरी
- परिवहन साधनों का उपयोग

2) डॉक्टरों द्वारा सीमित प्रतिक्रिया -

- गाँवों या जनजातीय क्षेत्रों में लोगों तक जाने में डॉक्टर्स की अनिच्छा
- चिकित्सा सुविधाओं की कमी

3) परम्परागत ज्ञान –

- लोग पारम्परागत ज्ञान में अधिक विश्वास

भारत में जनजातियों के स्वास्थ्य स्थिति की चर्चा करें।

भूमिका में उल्लेखित आंकड़ों का प्रयोग अपेक्षित

→ भौगोलिक दुर्गमता
→ वित्तीय बाधा

4) स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को आन्तरिक मामलों में दखल एवं संस्कृति पर प्रहार समझते हैं।

5) चिकित्सक एवं जनजातीय लोगों में भावनात्मक समझ का अभाव -
- भाषा की भिन्नता
- भावनाओं तक पहुँच आसान नहीं
- विश्वास की कमी

जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा -

1) चिकित्सकों को जनजातीय लोगों से एकमुट होने के लिए -
- प्रशिक्षण की आवश्यकता
- भाषा के कुछ सीमित स्तर सीखने की आवश्यकता

2) बुनियादी ढाँचे का निर्माण -
- PHC/CHC की उपलब्धता

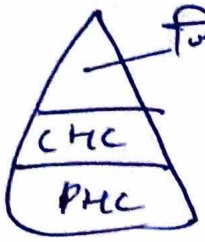

3) जनजातीय ज्ञान व कौशल का उपयोग

4) जनजातीय लोगों को पढ़ाई के अवसर —

↓

- चिकित्सक बन सकें
- अपने क्षेत्रों में सुविधाएं प्रदान कर सकें

5) डॉक्टर्स को सीमित समय तक जनजातीय क्षेत्रों में रहने की अनिवार्यता

↓

विश्वास में वृद्धि

भारतीय संस्कृति से समन्वय

जनजातीय लोग भारतीय मुख्य संस्कृति से बिल्कुल एकाकी हैं। इन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य उपलब्ध करवाना एवं नेहरू के पंचशील सिद्धान्तों के अनुसार बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

तर्क व्यावहारिक है

सुझाव कम

प्रस्तुतिकरण में सुधार

अच्छा प्रयास

7.5/15

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें
(Don't write anything in this part)

16

विश्व में खनिज संसाधन असमान रूप से वितरित हैं जैसे

- कोयला (चीन, भारत)
- यूरेनियम (कनाडा, ऑस्ट्रेलिया)
- Li (भारत, चिली)

→ वैश्विक स्तर पर
→ खनिज संसाधनों का संक्षेप में उल्लेख करें

निहितार्थ -

1. राजनैतिक निहितार्थ -
   - राजनैतिक मुद्दों का प्रमुख क्षेत्र
   - अन्तर्राष्ट्रीय विदेश नीति का प्रमुख अंग जैसे - भारत - ऑस्ट्रेलिया

2) सामाजिक निहितार्थ -
   - समाज के आपसी सम्बन्ध
     - समानता — प्रेम, सौहार्द
     - असमानता — द्वन्द्व व हिंसा

3) आर्थिक निहितार्थ -

खनिज संसाधनों की उपलब्धता

- परिवहन
- वहीं उपयोग

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

अनुमान निर्माण में आधार दिनों का टकराव आर्थिक प्रभाव, भी चर्चा करें

↓
अन्य क्षेत्र का विकास
↓
लोगों की आय वृद्धि

उसी क्षेत्र का विकास
↓
लोगों (श्रमिकों) की आय वृद्धि

Eg. भारत का छोटानागपुर क्षेत्र
जर्मनी का रूर बेसिन

4) स्वास्थ्य सम्बन्धी -

→ अधिक खनिज → अधिक उद्योग
↓
अधिक कार्बन उत्सर्जन
↓
स्वास्थ्य पर अधिक खर्चा
लोगों को स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी

→ जीवन प्रत्याशा में कमी
→ IMR / MMR में ~~कमी~~ वृद्धि

5) पर्यावरणीय निहितार्थ -

खनिज → अधिक खनन प्रक्रिया
↓
अधिक मशीनों का उपयोग
↓

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

कार्बन उत्सर्जन अधिक

- मृदा अवनयन
- पर्यावरण प्रदूषण
- वायु प्रदूषण
- ध्वनि प्रदूषण

6) जनांकिकीय -

लोगों को अधिक रोजगार → अधिक बचत → अधिक वृद्धि → जीवन स्तर में सुधार

7) जीवों पर प्रभाव -

समुद्री संसाधन → खनन
→ जलीय जीवों पर नकारात्मक प्रभाव
→ जैव विविधता में कमी

खनिज संसाधन भविष्य एवं वर्तमान के लिए अति आवश्यक है जिन्हे समावेशी एवं धारणीय तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है।

व्याख्या के स्तर सापेक्षित संतुलित तथा सारगर्भित निष्कर्ष लिखें।

8/15

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

(17) जाति व्यवस्था, भारतीय समाज का एक अंग है।

जाति
- अन्तः विवाह
- जन्म से प्राप्त
- सामान्यतः व्यवसाय निर्धारित
- पदसोपान
- सगोत्र विवाह की मनाही

जाति व्यवस्था : सामाजिक मुद्दों के उत्प्रेरक के रूप में -

1) महिला सशक्तिकरण -

जाति व्यवस्था में
- ऊपरी जाति की महिला स्नेहहीन
- निचली जाति की महिलाओं का अधिक शोषण

2) जातिगत हिंसा -

विभिन्न समाजों में दो जातियों द्वारा स्वयं को बेहतर सिद्ध करने के लिए

उदा. निम्न जाति के लोगों को विवाह में घोड़ी पर नहीं बैठने देता

3) अस्पृश्यता - अनु. 17

- निम्न जाति के लोगों को अछूत मानना
- विशेष कर्म जैसे - मैला ढोने या साफ सफाई तक सीमित रखना

4) मंदिरों में प्रवेश -

- मंदिरों में निम्न जाति के लोगों के प्रवेश की मनाही

Ex भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मंदिर दर्शन के बाद मंदिर को गंगाजल से धोना

- शिक्षा के लिए विद्यालयों में अलग घड़े की व्यवस्था

5) भारत की एकता के विरोध में -

- जाति के आधार पर बाँटना
- जातिगत राजनीति
- भारत की एकता व अखण्डता के विरोध में

न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

जाति व्यवस्था भारतीय समाज का अभिन्न अंग

1) शहरीकरण के कारण जाति व्यवस्था गौण हो गयी है।
2) भूमण्डलीकरण का योगदान
3) निम्न जातियों को आरक्षण की व्यवस्था
4) अस्पृश्यता का अंत – अनु. 17
5) सभी को समान अधिकार – जाति के आधार पर विभेद का प्रतिषेध – अनु. 15
6) व्यवसायों में सभी जाति के लोगों की पहुँच – कौशल व शिक्षा के आधार पर

7) डॉ. अम्बेडकर के अनुसार जाति व्यवस्था को समाप्त कर देना चाहिए जबकि गाँधीजी अस्पृश्यता के विरुद्ध थे।

अन्धाधुंधमात्मक उदाहरण तथा सुधारक

9/15

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

(18)

बिपरजॉय चक्रवात ने गुजरात, राजस्थान के हिस्सों को प्रभावित किया।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात का गठन —

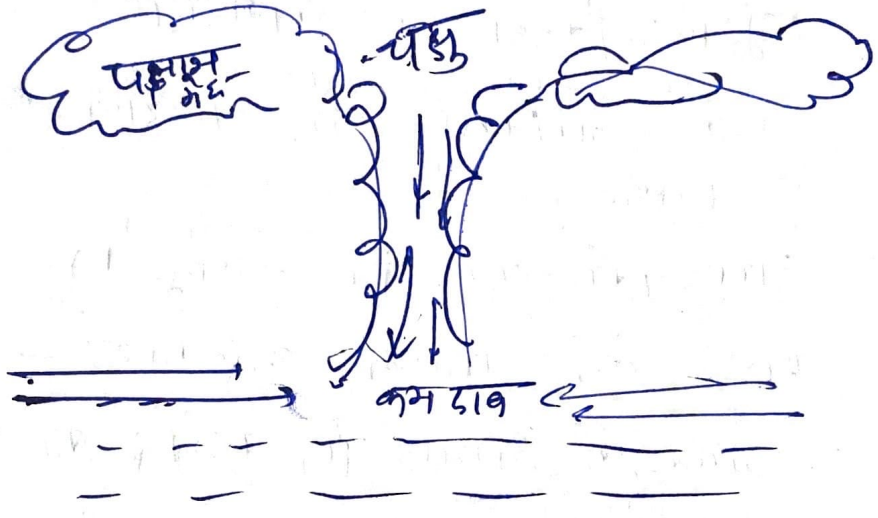

भूमिका में उष्णकटिबंधीय चक्रवात की परिभाषा जोड़ें

(1) कम दाब क्षेत्र का निर्माण

(2) अत्यधिक तीव्र पवनें कम दाब क्षेत्र की ओर चलेंगी

(3) यह मुख्यतः समुद्री लहरों पर बनते हैं।

4) स्थल तक पहुँचते-पहुँचते ये समाप्त हो जाते हैं।

5) न्यून दाब पर आती पवनें
↓
ऊपर उठने लगती हैं।
↓
ताप धीरे-धीरे कम होता है।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

↓
बूँदों के रूप में परिवर्तन
↓
बादलों का निर्माण
↓
चक्रवात की चक्षु का निर्माण (अत्यधिक शाँति वाला क्षेत्र)
↓
अवस्था परिवर्तन के कारण गुप्त ऊष्मा छूटेगी
↓
गुप्त ऊष्मा धीरे-धीरे चक्षु से नीचे आएगी
↓
ताप में वृद्धि
↓
पुन: ~~अधिक~~ कम दबाव
↓
पश्चात् मेघ अत्यधिक वारिश करेंगे।

- यह प्रक्रिया चलती रहेगी
- जब तक कम दाब बना रहेगा एवं आर्द्रता की आपूर्ति होती रहेगी।

विशेषताएँ -

- कम दाब क्षेत्र पर बनेगा
- समुद्री क्षेत्रों में

निर्माण चरणों के विकास को और विस्तार तथा स्पष्टता से लिखें

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

- स्थल पर जाते-जाते समाप्त
- चक्रवात की आँख (शांत क्षेत्र)
- गुप्त ऊष्मा का निष्कासन
- पक्षाभ मेघ – अत्यधिक बारिश
- न्यून दाब की निरन्तरता
- आर्द्रता की आपूर्ति

चक्रवातों की प्रकृति में परिवर्तन –

- जलवायु परिवर्तन के कारण
- अरब सागरीय क्षेत्रों में भी चक्रवातों का निर्माण
- स्थलीय भागों में तबाही
- चक्रवातों में कमी आयी है – MoES
- चक्रवातों की तीव्रता में वृद्धि

अतः हिन्द महासागर के चक्रवात न केवल स्थलीय जीवों बल्कि पेड़-पौधों एवं जलीय जीविता के लिए भी खतरा है।

:. कटCC के स्तर पर बिन्दु ठीक से दिए वर्णित की कटC

6.5/15

प्रश्न संख्या (Question No.) 18

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

1857 का विद्रोह कारण -

1) लोगो मे असंतोष - कर वृद्धि | लगान | राजस्व में वृद्धि

2) भारतीय संस्कृति से छेड़छाड़
सती प्रथा निषेध अधि० 1829

3) General Services Enlistment act -
- सैनिको को भारत से बाहर नौकरी करने के लिए जाना पड़ता था

4) जमींदारो की जमीन छिन गयी

5) राजा - महाराजाओ के पास अधिकार नहीं रहे

6) कारतूस मे गाय व सुअर की चर्बी होना

7) भारतीय सैनिको को कमतर आँकना, — न्यून वेतन प्रदान

8) भारतीय उद्योगो का विनाश

1857 के बाद ब्रिटिश नीति -

1858 का अधि० - वायसराय नाम भारत के गवर्नर जनरल
— भारत का नियंत्रण महारानी के हाथ मे

19

भूमिका लिखें

बिन्दुओं को भारत के इतिहास के साथ प्रस्तुत करें

1857 के विद्रोह की प्रकृति का आलोचनात्मक परीक्षण करें

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में
न लिखें
(Don't write any
in this part

2) 1861 का अधि० -
- पोर्टफोलियो बाँटे गये
- भारत से 3 non-official
वायसराय की विधिक परिषद में

3) 1909 का अधि० -
- सेपरेट इलेक्टोरेट मुस्लिमों
के लिए
- वायसराय की विधिक परिषद के
सदस्यों की संख्या बढ़ा दी
गयी

4) 1919 का अधि० - केन्द्र व द्वैध शासन
5) 1935 का अधि० - RBI, SPSC, JPSC
6) 1947 का अधि० - भारत की स्वतंत्रता
भारत का विभाजन

अतः 1857 की क्रांति ने भारत को प्रशासनिक आंतरिक व बाह्य रूप से परिवर्तित किया। ब्रिटेन की राजनीतिक कार्यप्रणाली बदल चुकी थी।

6.5/15

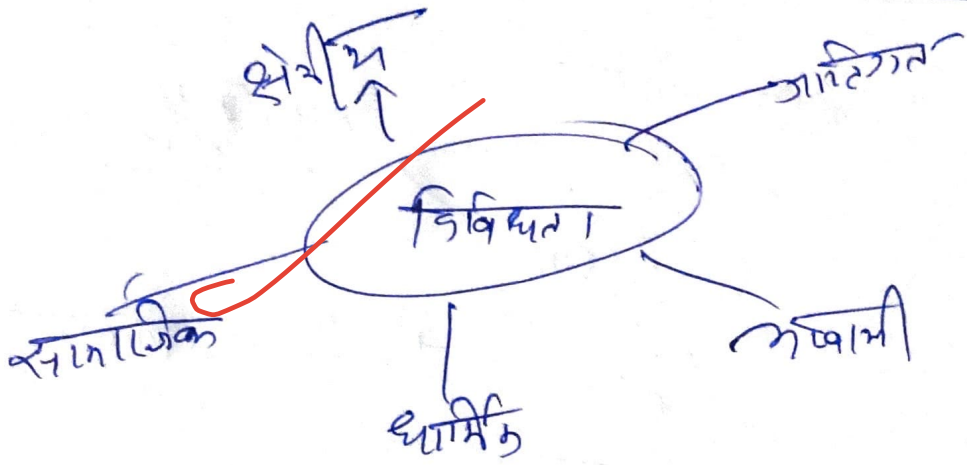

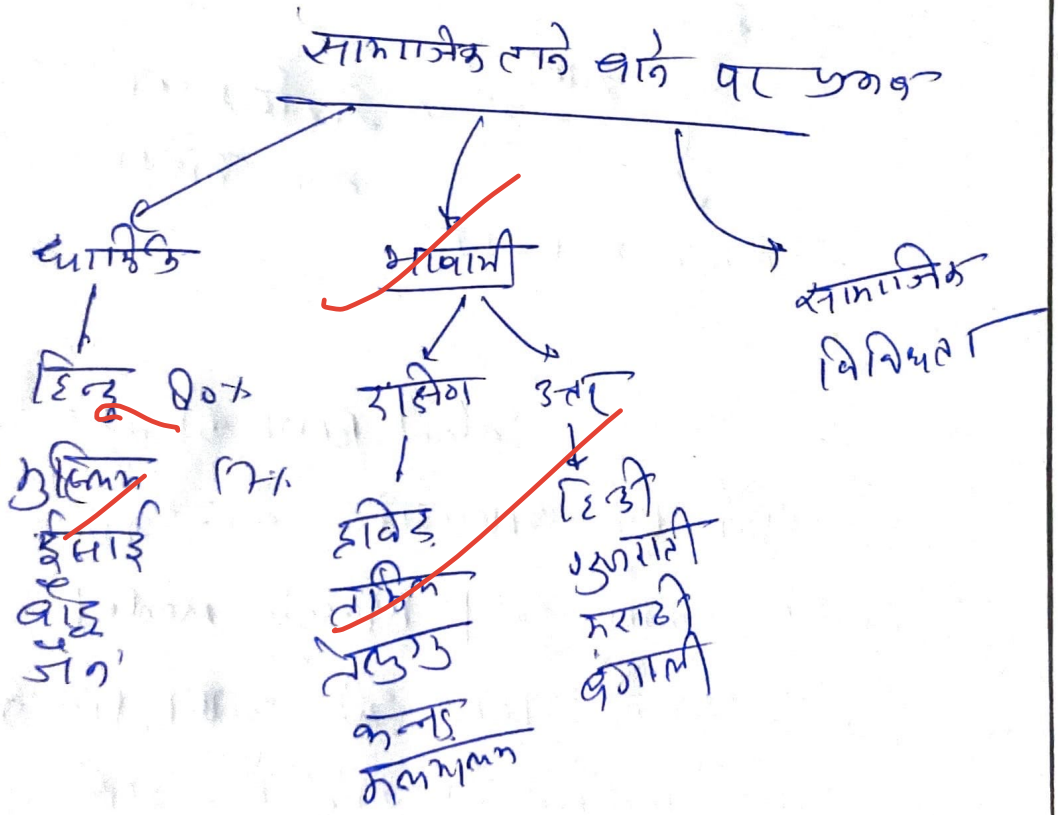

प्रश्न संख्या (Question No.) 30

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

— भाषा → हिन्दी | अंग्रेजी भारत भाषा

↓

समन्वय का माध्यम

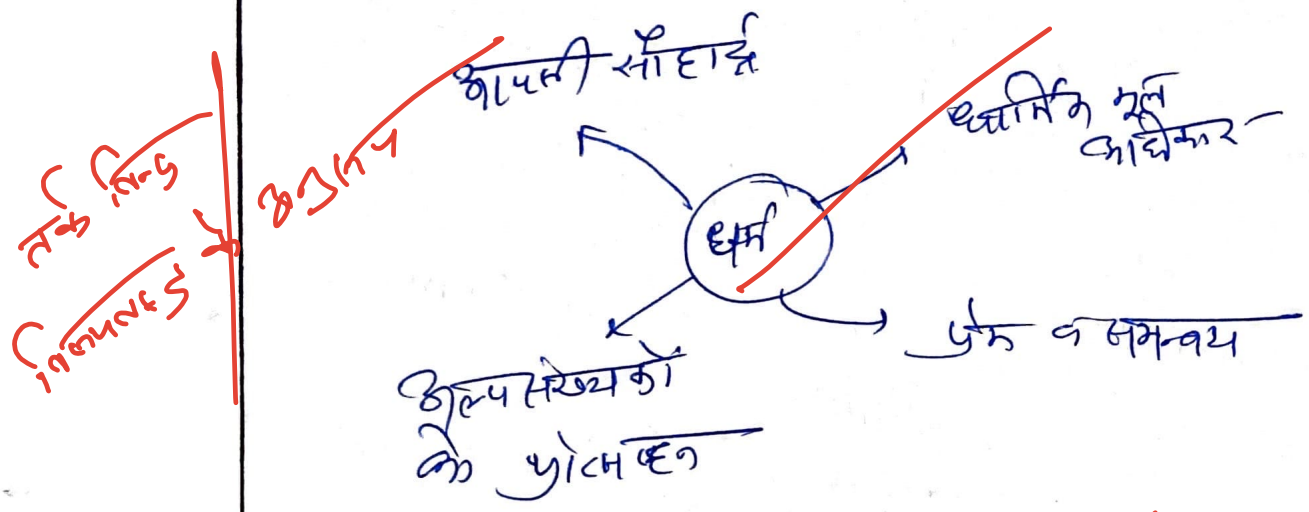

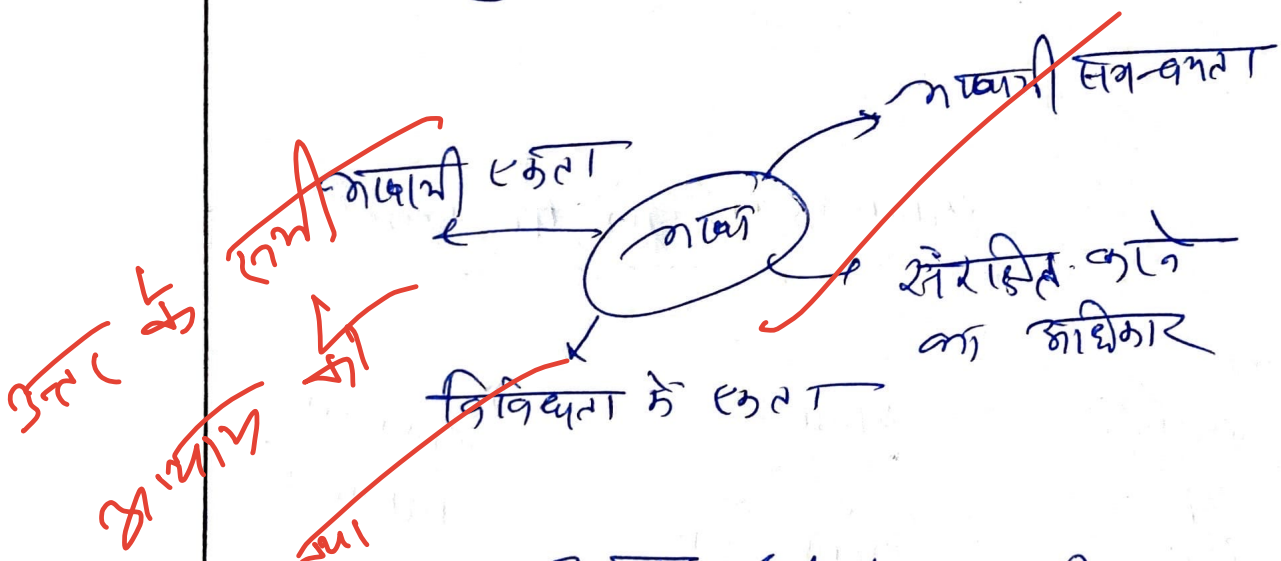

भारत Salad Bowl की तरह — सभी धर्मों एवं भाषाओं को अपने अपने रूप में समाये हुए। Mosaic model की तरह इसमें किसी भी भाषा, समाज या धर्म को निकाले जाने से इसकी विविधता व सुन्दरता प्रभावित होगी।